



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 65]

No 65]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 3, 1978/चैत्र 13, 1900

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 3, 1978/CHAITRA 13, 1900

इस भाग में भिन्न एक संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रख जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

निर्वात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या 18 ई०टी०सी० (पी०एन०)/78

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1978

विषय.—सीमित भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए निर्यातों के सम्बन्ध में जानकारी/क्रियाविधि।

क्रि० सं० 5/9/78/ई०-1:—सार्वजनिक सूचना संख्या 44-ई०टी०सी० (पी०एन०)/75 दिनांक 15 अक्टूबर, 1975, संख्या-6-ई०टी०सी० (पी०एन०)/76 दिनांक 27 फरवरी, 1976, संख्या 16-ई०टी०सी० (पी०एन०)/76 दिनांक 28 मई, 1976, संख्या-23 ई०टी०सी० (पी०एन०)/76 दिनांक 13 अगस्त, 1976, और संख्या-4 ई०टी०सी० (पी०एन०)/77, दिनांक 19 जनवरी, 1977 से आगे यूगोस्लाविया की सरकार के साथ परामर्श करने पर यह निश्चय किया गया है कि निम्नलिखित उत्पादों के आगे के लिए निर्यातों के लिए प्रत्येक के सामने संकेतित सीमा तक सीमित रूपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत स्वीकृति दे दी जाए —

(लाघ रूपसे से)

- | | |
|--|----|
| (1) हैण्डलूम सहित सूती वस्त्र | 90 |
| (2) रेयन/रेयाम/मनुष्य निर्मित तन्तु वस्त्र | 10 |

2 सीमित रूपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत यूगोस्लाविया के लिए ऐसे निर्यातों का निबन्धन करने हेतु निम्नलिखित क्रियाविधि निर्धारित की गई है:—

- (1) ऐसे निर्यातकों जो रूपया भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत उच्चतम केंद्रिका 1 में उल्लिखित माल का निर्यात करना चाहते हैं उन्हें चाहिए कि वे तत्काल ही अपनी सविज्ञापन प्रस्तुत करें।

सूची वस्त्र निर्यात सचयन समिति, बम्बई और रेयाम रेयाम और रेयन वस्त्र निर्यात सचयन समिति, बम्बई के पास पंजीकृत करा दें।

केवल उन निर्यातकों को प्रावेदन करना चाहिए जिनके पास यूगोस्लाविया के उस आयातक के साथ कोई संबंध है जिनके पास जारी किया गया बैंड लाइसेंस है। ऐसा करते समय निर्यातकों को चाहिए कि वे सम्बद्ध अभिकरण को सविज्ञापन (ओ) की प्रति के प्रतिरिक्त निम्नलिखित जानकारी की दो प्रतियां भेजें:—

- (क) उस यूगोस्लाविया आयातक का नाम और पता जिसके पास यूगोस्लाविया अधिकारियों द्वारा जारी किया हुआ बैंड प्राधिकार पत्र है।
- (ख) सविज्ञापन (ओ) की संख्या और दिनांक।
- (ग) सुपुर्बगी सारणी।
- (घ) उस भारतीय पत्तन का नाम जहां से निर्यात के लिए अद्यान प्रस्तावी किया जाता है।
- (ङ) उस में शामिल पक्वस्तु एवं उस का मूल्य।
- (च) उस यूगोस्लाव पत्तन का नाम जिसके लिए निर्यात के लिए अद्यान बुक किया जाता है।
- (2) सम्बद्ध अभिकरण पहले आए, सो पहले पाए, के आकार पर सविज्ञापन पंजीकृत करेगी और निर्यातकों एवं पत्तन आइसेड प्राधिकारी को (उन मदों के मामले में जो निर्यात निषेधन के अधीन हैं) और सीमा शुल्क प्राधिकारियों को (उन मदों के मामले में जो कि निर्यात नियंत्रण के अधीन नहीं हैं और जो जो बुला सामान्य लाइसेंस संख्या 3 के अन्तर्गत शामिल की गई हैं) आवश्यक परामर्श जारी करेगी।

(3) निर्यातक निर्यात नियंत्रण प्राधिकारियों को यूगोस्लाविया के लिए निर्यात के लिए नियंत्रित मर्चों के मामले में (खुला सामान्य लाइसेंस 3 के अन्तर्गत आने वाली को छोड़कर) रुपए में लदान बिलों को भेजेगा और जो केवल नियंत्रित मर्चों के निर्यात के लिए ही स्वीकृति देंगे और यह स्वीकृति लदान (बिलों) को पास करने की तारीख से इन मर्चों के लिए लाभ निर्यात नीति के अनुसार लदान बिलों पर, पृष्ठांकन करके दी जाएगी। उन मर्चों के संबंध में लदान की स्वीकृति सीधे ही सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा सामान्य विधि में से वे दी जाएगी जो निर्यात नियंत्रण के अधीन नहीं है और जो खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 3 के अन्तर्गत आती है।

(4) लदान, मूल्य, सविदा संख्या एवं निर्यातक के नाम के व्योरे सम्बद्ध अभिकरण द्वारा एक पञ्चवार में अर्थात् प्रत्येक मास की 15 तारीख और 30 तारीख तक वाणिज्य मंत्रालय सी० आर्द० (शिवासुव्रामनियन, प्रवर सचिव) नई दिल्ली को भेजे जायेंगे।

3. निर्यातकों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे इसे नोट करके कि इस व्यवस्था के अन्तर्गत यगोस्लाविया के लिए रुपए में निर्यात के लिए सभी सविदाओं के लिए सम्बद्ध अभिकरण का पूर्व अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और यह उनकी सविदाओं के पंजीकरण द्वारा होगा।

4. निर्यातकों को और आगे सलाह दी जाती है कि भारत से जैसे ही लदान प्रभावी हो जाता है वे उसके बारे में सम्बद्ध अभिकरण को सूचना दें।

5. विभिन्न मर्चों के लिए उच्चतम सीमा की निगरानी उपर्युक्त संकेतित सम्बद्ध अभिकरण द्वारा की जाएगी और जैसे ही उच्चतम सीमा पूरी हो जाती है वे सविदाओं का पंजीकरण बन्द कर देंगे।

का० वें० शेषाद्री, मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION
(Department of Commerce)
EXPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 17-ETC(PN)/78

New Delhi, the 3rd April, 1978

SUBJECT :—Information/Procedure regarding exports to Yugoslavia under Limited Rupee Payment Arrangement.

F. No. 5/9/76/EL.—Further to Public Notice No. 44-ETC(PN)/75, dated the 15th October, 1975, No. 6-ETC(PN)/76 dated the 27th February, 1976, No. 16-ETC(PN)/76 dated 28th May, 1976, No. 23-ETC(PN)/76 dated 13th August, 1976 and No. 4-ETC(PN)/77 dated 19th January, 1977, it has been decided, in consultation with the Government of Yugoslavia, that further exports of following products, to the extent indicated against each, be allowed under Limited Rupee Payment Arrangement.

(Rupees in lakhs)

- | | |
|---|----|
| 1. Textiles of cotton including handlooms | 90 |
| 2. Rayon/Silk/man-made fibre Textiles | 10 |

2. In order to regulate such exports to Yugoslavia under the Limited Rupee Payment Arrangements, the following procedure has been prescribed :—

(i) Such exporter, who wish to export the goods mentioned in para 1 above under the Rupee Payment Arrangement are required to have their contracts registered with immediate effect with the Cotton Textiles Export Promotion Council, Bombay and Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Bombay, respectively.

Only such exporters need apply who have a contract with an importer in Yugoslavia possessing a valid letter of authorisation issued by the Yugoslav Authorities. While doing so, the exporters are required to furnish to the agency concerned, in duplicate, the following information in addition to the copy of the contract(s) :—

(a) Name and address of the Yugoslav importer, having valid letter of authorisation issued by the Yugoslav authorities.

(b) Contract(s) number and date.

(c) Delivery schedule.

(d) Indian port from which the shipment is to be effected for export.

(e) Commodity and value thereof involved.

(f) Name of the Yugoslav Port to which the shipment is to be booked for exports.

(ii) The Agency concerned will register the contracts on first-come, first-served basis and issue necessary advice to the exporters and the Port Licensing Authority (in case of items which are under Export Control) and to the Customs Authorities (in respect of items which are not under Export Control and also those which are included under O.G.L. 3).

(iii) The exporter will submit the shipping bill in respect of controlled items (except those under OGL 3) for export to Yugoslavia in Rupees to the Export Control Authorities, who shall allow export of only controlled items by endorsement on shipping bills in accordance with export policy for that item in force on the date of passing of the shipping bill(s). Shipment in respect of items which are not under Export Control and those which are under OGL 3 shall be allowed direct by the Customs Authorities in the normal manner.

(iv) The particulars of shipment, value, contract number, name of the exporter will be transmitted by the Agency concerned once a fortnight, i.e. by the 15th and the 30th of each month to the Ministry of Commerce (Shri C. I. Sivasubramanian, Under Secretary) New Delhi, by name.

5. Ceilings for the different items will be watched by export in Rupees to Yugoslavia under this Arrangement must have the prior approval of the concerned Agency by way of registration of their contracts.

4. Exporters are further advised to inform the concerned agency as soon as shipments from India have taken place.

5. Ceilings for the different items will be watched by the concerned agencies, indicated above and they will stop registering the contracts as soon as ceilings are reached.

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports.